मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 161
04.12.2023 को उत्तर के लिए

पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन

161. श्री रामदास तडस :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिए विश्व के अनेक देशों के साथ किसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त संधि देश में हरित प्रौद्योगिकी को लागू करने अथवा हस्तांतरित करने में सहायक होगी; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (घ): पर्यावरण और इससे संबंधित क्षेत्रों में सहयोग के लिए विश्व भर के देशों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

समझौता ज्ञापन (एमओयू), अन्य बातों के साथ-साथ हरित प्रौद्योगिकी सहित पर्यावरण और इससे संबंधित क्षेत्रों में सहयोग, सहकार्यता, विचारों और सर्वोत्तम पद्धतियों के आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा देने से संबंधित हैं। समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में शामिल सहयोग के क्षेत्रों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

अनुबंध

'पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन' के संबंध में श्री रामदास तडस द्वारा दिनांक 04.12. 2023 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 161 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

समझौता ज्ञापनों की सूची

क्र.सं.	देश का नाम और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का वर्ष	सहयोग का क्षेत्र
1.	**ऑस्ट्रेलिया** पर्यावरण, जलवायु और वन्य जीव के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2017	i. पर्यावरण सूचना प्रणाली ii. अपशिष्ट जल प्रबंधन, शोधन और शोधित बहिस्रावों का पुन: उपयोग iii. तटीय और समुद्री पारिप्रणालियां iv. हिंद महासागर में पाए जाने वाले डगोंग, शार्क, कछुए और सेटासीन पर विशेष ध्यान देने के साथ समुद्री वन्यजीव पारिप्राणालियां, v. यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का प्रबंधन vi. वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी कन्वेंशन (साइट्स) के तहत सुप्रबंधित, वैध और संधारणीय व्यापार का समर्थन करने के लिए सहयोग सहित, जीवों और वनस्पतियों के अवैध व्यापार की समस्या का समाधान करना। vii. संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण और पुनर्बहाली viii. जलवायु परिवर्तन ix. पारिप्रणाली संरक्षण और संधारणीय उपयोग x. वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण xi. खनन-पूर्व और खनन-पश्चात् प्रौद्योगिकियों सहित स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी, जिसमें शामिल हैं; और xii. परस्पर सहमति से नियत किए गए अनुसार,

		पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित अन्य क्षेत्र।
2.	**ऑस्ट्रिया** एमओईएफ, भारत गणराज्य सरकार और संघीय पर्यावरण, युवा और परिवार कार्य मंत्रालय, ऑस्ट्रिया गणराज्य के बीच समझौता ज्ञापन। वर्ष 1994	i. वायु प्रदूषण ii. अपशिष्ट प्रबंधन, तकनीकी और वित्तीय पहलू iii. वाहन निकासित उत्सर्जन iv. विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में प्रकृति संरक्षण, v. कोई अन्य क्षेत्र
3.1	**बांग्लादेश** सुंदरवन के संरक्षण के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2011	विकास और गरीबी उन्मूलन के लिए सुंदरबन की संभावाओं का लाभ उठाने के लिए सहयोग के निम्नलिखित क्षेत्रों को अभिज्ञात किया गया: i. संसाधनों का संयुक्त प्रबंधन और संयुक्त निगरानी: ii. मैंग्रोव पुनरुज्जीवन पर्यावास बहाली और पुनर्वास कार्यक्रम, जो अंततः कार्बन पृथक्करण की क्षमता को बढ़ाएगा। iii. पारिस्थितिक पर्यटन के अवसर पैदा करने के लिए दीर्घकालिक कार्यनीति। iv. मानव बस्तियों और पारिप्रणलियों के बीच संबंधों की बेहतर समझ के लिए संबंधित देशों के भू-भागों पर मानव बस्तियों का मानचित्रण और सीमांकन
3.2	**बांग्लादेश** सुंदरबन के रॉयल बंगाल टाइगर्स के संरक्षण संबंधी प्रोटोकॉल। वर्ष 2011	सुंदरबन के अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र में बाघ के अस्तित्व और संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय पहलें।

4.	**भूटान** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2021	i. वायु ii. अपशिष्ट iii. रासायनिक प्रबंधन iv. जलवायु परिवर्तन v. संयुक्त रूप से किए गए कोई अन्य क्षेत्र
5.	**ब्राज़िल** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2014	i. जलवायु परिवर्तन ii. जैव-विविधता iii. शुष्क भूमियों में वनीकरण iv. जल संरक्षण एवं आर्द्रभूमियों का संरक्षण v. कृषि अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट सहित अपशिष्ट प्रबंधन vi. अपशिष्ट जल प्रबंधन और शोधित बहिस्रावों का पुन: उपयोग vii. जैव ईंधनों का उपयोग viii. गैर ईमारती लकड़ी के वन उत्पादों और औषधीय पौधों के उत्पादों का उपयोग ix. वायु एवं जल गुणवत्ता प्रबंधन x. पर्यावरणीय सूचना प्रणाली xi. वनों का संधारणीय प्रबंधन और आरईडीडी एवं आरईडीडी+ मामले xii. वन्यजीव प्रबंधन; और वनाग्नि नियंत्रण
6.	**कनाडा** जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के संबंध में भारत-कनाडा समझौता ज्ञापन। वर्ष 2022	i. नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि और भारी उद्योगों का विकार्बनीकरण सहित जलवायु परिवर्तन ii. स्वच्छ प्रौद्योगिकी iii. प्लास्टिक प्रदूषण और चक्रीय अर्थव्यवस्था iv. वायु प्रदूषण v. जल संसाधनों का संधारणीय विकास और प्रबंधन

		vi. संधारणीय उपभोग vii. जैव विविधता और संरक्षण viii. रसायनों और अपशिष्टों का सुदृढ़ प्रबंधन ix. पक्षकारों द्वारा संयुक्त रूप से लिए जाने वाले निर्णय के अनुसार कोई अन्य क्षेत्र
7.	**कंबोडिया** बाघ और उसके पर्यावास की जैव विविधता का संरक्षण और संधारणीय वन्यजीव प्रबंधन पुर्नबहाली कार्यनीति में सहयोग। वर्ष 2022	बाघ और उसके पर्यावास की जैव विविधता का संरक्षण और संधारणीय वन्यजीव प्रबंधन पुनर्बहाली कार्यनीति में सहयोग
8.1	**चीन** जलवायु परिवर्तन के संबंध में समझौता वर्ष 2009	i. उर्जा संरक्षण ii. नवीकरणीय ऊर्जा iii. स्वच्छ कोयला iv. मीथेन पुनर्प्राप्ति और उपयोग v. परिवहन vi. संधारणीय पर्यावास
8.2	**चीन** वानिकी सहयोग के संबंध में समझौता वर्ष 2006	i. मरुस्थलीकरण की रोकथाम और प्रबंधन एवं वानिकी संसाधनों का विकास और उपयोग, अनुसंधान संगठनों, वानिकी संस्थानों तथा अन्य इकाइयों के बीच तकनीकी सहयोग का समर्थन करना ii. पौधों की बीमारियों, कीड़ों और कीटों और बाहरी जीवों के आक्रमण की रोकथाम। iii. वनाग्नि रोकथाम एवं नियंत्रण iv. लकड़ी आधारित उद्योग संधारणीय वानिकी उद्योग, व्यापार और नीतियों पर सहयोग

		v. एनटीएफपी के माध्यम से स्थानीय समुदायों की आजीविका के अवसरों को बढ़ाना
8.3	**चीन** बाघ संरक्षण के संबंध में द्विपक्षीय प्रोटोकॉल। वर्ष 1995	बाघ के अवैध शिकार, बाघ, बाघ की हड्डियों और बाघ के अन्य अंगों के साथ-साथ इससे बनाए गए सामानों की तस्करी और बिक्री जैसी गतिविधियों पर कार्रवाई
9.	**साइप्रस** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में भारत और साइप्रस के बीच समझौता ज्ञापन। वर्ष 2018	i. जल प्रदूषण नियंत्रण; ii. वायु प्रदूषण नियंत्रण; iii. अपशिष्ट प्रबंधन; iv. जैव विविधता संरक्षण जिनमें शामिल हैं; v. (i)जैव-सुरक्षा vi. (ii)जैव-संसाधनों का सर्वेक्षण vii. (iii) आर्द्रभूमि प्रबंधन viii. हानिकारक रसायन प्रबंधन; ix. स्वच्छ प्रौद्योगिकियां जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) स्वच्छ जल और वायु प्रौद्योगिकियां; (ii) अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियां; (iii) पर्यावरणीय निगरानी प्रौद्योगिकियां; (iv) प्रक्रियाओं और उत्पादों में हानिकारक रसायनों के प्रतिस्थापन में सहायक बनने वाली प्रौद्योगिकियां। x. जलवायु परिवर्तन xi. कोई अन्य क्षेत्र जिस पर संयुक्त रूप से निर्णय लिया गया हो।
10.1	**डेनमार्क**	i. क्योटो प्रोटोकॉल के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और व्यावहारिक कुशलता के

	स्वच्छ विकास तंत्र के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2008	हस्तांतरण को सुगम बनाना । ii. भारत में ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं से प्रमाणित उत्सर्जन कटौती (सीईआर) वाली डेनिश सरकार और/या निजी डेनिश कंपनियों द्वारा खरीद की सुविधा प्रदान करना। iii. सीडीएम परियोजना विकास आधारित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के माध्यम से भारत में संधारणीय विकास के लिए सहयोग की सुविधा प्रदान करना।
10.2	**डेनमार्क** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2009	i. जल प्रदूषण नियंत्रण ii. वायु प्रदूषण नियंत्रण iii. अपशिष्ट प्रबंधन iv. जैव सुरक्षा, संसाधनों का सर्वेक्षण, आर्द्रभूमि प्रबंधन सहित जैव विविधता संरक्षण; v. हानिकारक रसायन प्रबंधन vi. स्वच्छ जल और वायु प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय निगरानी प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं तथा उत्पादों में हानिकारक रसायनों के प्रतिस्थापन में सहायता करने वाली प्रौद्योगिकियों सहित स्वच्छ प्रौद्योगिकियां।
11.	**मिस्र** पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन।	i. कृषि अपशिष्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट सहित अपशिष्ट प्रबंधन; ii. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटना; iii. जैव ईंधन का उपयोग; iv. समुद्री पर्यावरण संरक्षण और एकीकृत तटीय क्षेत्र

	वर्ष 2012	प्रबंधन; v. वायु गुणवत्ता एवं जल गुणवत्ता; vi. आर्द्रभूमियों की सुरक्षा एवं जल संरक्षण; vii. जैविक विविधता और प्रकृति संरक्षण; viii. पर्यावरणीय सूचना प्रणाली; ix. अपशिष्ट जल प्रबंधन और शोधित बहिस्रावों का पुन: उपयोग; x. शुष्क क्षेत्रों में वनीकरण
12.	**फिनलैंड** पर्यावरण सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2020	i. वायु और जल प्रदूषण की रोकथाम और शुद्धिकरण, दूषित मृदा का शोधन; ii. खतरनाक अपशिष्टों और अपशिष्ट-से-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों सहित अपशिष्ट प्रबंधन; iii. चक्रीय अर्थव्यवस्था, निम्न-कार्बन समाधान और वनों सहित प्राकृतिक संसाधनों के संधारणीय प्रबंधन को बढ़ावा देना; iv. जलवायु परिवर्तन ; v. पर्यावरण और वन निगरानी और डेटा प्रबंधन; vi. समुद्री और तटीय संसाधनों का संरक्षण; vii. महासागरीय/समुद्री द्वीपों का एकीकृत जल प्रबंधन; और viii. कोई अन्य क्षेत्र जिस पर संयुक्त रूप से निर्णय लिया गया हो।
13.	**फ्रांस** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2018	i. जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रौद्योगिकियों सहित जलवायु परिवर्तन; ii. वायु गुणवत्ता iii. जल गुणवत्ता और नदी प्रबंधन सहित एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन iv. रासायनिक और अपशिष्ट प्रबंधन और चक्रिय

		अर्थव्यवस्था v. वन एवं जैव विविधता संरक्षण vi. संसाधन और ऊर्जा दक्षता vii. समुद्री और तटीय संसाधनों का संरक्षण viii. वन्यजीव और उनसे बने उत्पादों के अवैध व्यापार पर नियंत्रण; ix. वन्यजीव फोरेंसिक
14.	**इजराइल** पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता. वर्ष 2003	i. शुष्क क्षेत्रों में वनीकरण ii. मरुस्थलीकरण को रोकना iii. परस्पर सरोकार रखने वाली प्रदूषण समस्याएं, उनकी पहचान करना और प्रासंगिक नियंत्रण प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन iv. जल संरक्षण v. अपशिष्ट जल प्रबंधन का पुनर्चक्रण और उपचारित बहिस्रावों का पुन: उपयोग vi. वन्यजीव संरक्षण और प्रजातियों की विविधता का अनुरक्षण vii. प्रदूषण नियंत्रण के लिए कम लागत वाली और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल प्रौद्योगिकियाँ viii. शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग ix. पर्यावरण जागरूकता x. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन xi. पर्यावरण सूचना प्रणालियों के उपयोग सहित पर्यावरणीय निगरानी की पद्धतियां और निरीक्षण xii. अन्य नीति क्षेत्रों के साथ पर्यावरणीय समस्याओं का संबंध और पर्यावरण एवं विकास के बीच संबंध xiii. अनुसंधान और विकास के संबंध में सूचना और डेटा का आदान-प्रदान xiv. पर्यावरण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और

		अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय मामलों के संबंध में सहयोग को बढ़ावा देना।
15.	**जापान** पर्यावरणीय सहयोग के क्षेत्र में भारत और जापान के बीच सहयोग ज्ञापन। वर्ष 2018	i. प्रदूषण नियंत्रण (वायु, मृदा और जल); ii. एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (पर्यावरण की दृष्टि से संधारणीय शहरों सहित) और खतरनाक पदार्थ प्रबंधन सहित रासायनिक और अपशिष्ट प्रबंधन; iii. तटीय और समुद्री पारिप्रणालियां; iv. पर्यावरण प्रौद्योगिकी; v. जलवायु परिवर्तन; vi. प्राकृतिक पार्कों और अन्य प्रकृति संरक्षण क्षेत्रों सहित जैव विविधता का संरक्षण और संधारणीय उपयोग; vii. अपशिष्ट जल प्रबंधन; और viii. परस्पर सहमति से नियत किए गए अनुसार, पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित अन्य क्षेत्र
16.	**मॉरीशस** पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में भारत और मॉरीशस के बीच समझौता ज्ञापन। वर्ष 2005	i. तटीय अपरदन, लैगून प्रदूषण, जैव विविधता की हानि और रीफ प्रणाली के नुकसान का निवारण ii. पारस्पर सरोकार रखने वाली प्रदूषण समस्याएं, उनकी पहचान और प्रासंगिक नियंत्रण प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन iii. कानून के प्रवर्तन सहित संधारणीय विकास और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानून पर जानकारी का आदान-प्रदान, iv. उद्योगों और चीनी मिलों से अपशिष्ट जल का शोधन, v. जल का पुनर्चक्रण, vi. प्रदूषण नियंत्रण के लिए कम लागत वाली और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल प्रौद्योगिकियां

		vii. शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग viii. पर्यावरण के प्रति जागरूकता ix. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन x. पर्यावरण निगरानी की पद्धतियां xi. वनों का संरक्षण, प्रबंधन एवं विकास xii. पर्यावरण के अन्य क्षेत्र
17.	**मोरक्को** पर्यावरणीय सहयोग के संबंध में समझौता वर्ष 2014	i. आर्द्रभूमियाँ, प्रकृति संसाधन, पर्वतीय पारि-प्रणालियां और तटीय क्षेत्र जैसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का प्रबंधन और संरक्षण; ii. नगरीय अपशिष्ट का प्रबंधन; औद्योगिक और खतरनाक अपशिष्ट का पुनर्चक्रण, निपटान और इनमें कमी लाना; iii. शहर में होने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण का मूल्यांकन; iv. आपसी सहमति के अनुसार, पर्यावरणीय संरक्षण और सुधार से संबंधित सहयोग के अन्य क्षेत्र।
18.	**म्यांमार** इमारती लकड़ी की तस्करी से निपटने और बाघों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन। वर्ष 2020	इमारती लकड़ी की तस्करी से निपटना और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देना
19.	**नामिबिया** यह समझौता ज्ञापन चीतों के संरक्षण और उनकी पुनर्बहाली पर विशेष ध्यान देने के साथ जैव विविधता संरक्षण को सुगम	अपने पूर्व रेंज क्षेत्रों, जहां से वे विलुप्त हो गए थे, में चीतों के संरक्षण और उनकी पुनर्बहाली पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण को सुगम बनाना।

	बनाता है वर्ष 2022	
20.	**नीदरलैंड** पर्यावरणीय सहयोग के संबंध में भारत और नीदरलैंड के बीच समझौता ज्ञापन। वर्ष 1988	i. पर्यावरणीय प्रबंधन, ii. स्वच्छता iii. प्रौद्योगिकी और iv. संरक्षण
21.	**रूस** पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन वर्ष 1994	i. जलवायु परिवर्तन, समतापमंडलीय ओजोन परत की सुरक्षा और जैविक विविधता के संरक्षण सहित वैश्विक पर्यावरणीय समस्याएं ii. नदियों और झीलों सहित जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन एवं जल भंडारण और शुद्धिकरण प्रौद्योगिकियों का विकास iii. वातावरण की सुरक्षा iv. स्वच्छ उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर जानकारी का आदान-प्रदान सहित पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण v. प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विरासत का पर्यावरण के साथ अंतर्संबंध के संदर्भ में उनका प्रबंधन और इष्टतम उपयोग vi. पर्यावरण शिक्षा और पर्यावरणीय मुद्दों पर जन जागरूकता को बढ़ावा देना; vii. बाघों, साइबेरियाई सारसों की सुरक्षा सहित वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा, लुप्तप्राय प्रजातियों के व्यापार की रोकथाम पर विशेष ध्यान देना एवं विशेष सुरक्षा क्षेत्रों और राष्ट्रीय उद्यानों तथा प्राकृतिक अभयारण्यों की स्थापना करना ; viii. पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित कानूनी एवं प्रशासनिक उपाय

		ix. समुद्र, तटीय क्षेत्रों और समुद्री संसाधनों का प्रबंधन; x. शहरों और अन्य बस्तियों में पर्यावरण की सुरक्षा xi. पारिस्थितिक आपदाओं पर आपातकालीन प्रतिक्रिया xii. पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्रक्रियाएं और अनुभव xiii. आपसी सहमति से सहयोग का कोई अन्य क्षेत्र।
22.	**दक्षिण अफ्रीका** चीता के संरक्षण और उनकी पुनर्बहाली पर विशेष ध्यान देने के साथ जैव विविधता संरक्षण को सुगम बनाने के लिए समझौता ज्ञापन। वर्ष 2023	अपने पूर्व रेंज क्षेत्रों, जहां से वे विलुप्त हो गए थे, में चीतों के संरक्षण और बहाली पर विशेष ध्यान देने के साथ जैव विविधता संरक्षण को सुगम बनाना।
23.	**स्वीडन** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन। वर्ष 2009	i. वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे, जिनमें उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बहुपक्षीय पर्यावरण समझौते (एमईए) शामिल हैं। ii. अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित से संबंधित क्षमता निर्माण और वाणिज्यिक संबंधों सहित संस्थागत सहयोग ज्ञान का आदान-प्रदान: • पर्यावरणीय कानून, विनियमन, निगरानी, प्रवर्तन और योजना के क्षेत्रों में पर्यावरणीय प्रशासन। • संधारणीय शहरी विकास • एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन • वायु एवं जल गुणवत्ता प्रबंधन • नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग

		• स्वच्छ उत्पादन और प्रौद्योगिकी • पर्यावरणीय स्वास्थ्य • परस्पर सहमत अन्य क्षेत्र iii. सीडीएम, अनुसंधान और विकास सहित जलवायु परिवर्तन
24.	**स्विट्ज़रलैंड** पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन वर्ष 2019	i. जलवायु परिवर्तन और संधारणीय जल प्रबंधन के संबंध में क्षमता निर्माण; ii. संधारणीय वन प्रबंधन; iii. पर्वतीय क्षेत्रों का संधारणीय विकास; iv. पर्यावरण की दृष्टि से संधारणीय और अनुकूलन योग्य शहरी विकास; v. वायु, भूमि और जल प्रदूषण; vi. स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा; vii. जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन
25.	**तुर्कमेनिस्तान** पर्यावरणीय संरक्षण और वानिकी में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन वर्ष 1997	i. औद्योगिक और गैर-औद्योगिक प्रदूषण ii. औद्योगिक और कृषि प्रदूषण से जल की गुणवत्ता का संरक्षण iii. जैविक विविधता का संरक्षण iv. ऊर्जा दक्षता और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी। v. खतरनाक अपशिष्टों के सीमापारीय संचलन के निवारण के लिए राष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय समझौते vi. वृक्षारोपण एवं हरित पट्टी का निर्माण vii. पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली viii. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन ix. अनुसंधान और प्रशिक्षण x. वानिकी, आदि
26.1	**संयुक्त राज्य अमेरिका**	i. वन्यजीव फोरेंसिक और संरक्षण आनुवंशिकी

	वन्यजीव संरक्षण और वन्यजीव तस्करी से निपटने के संबंध में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन। वर्ष 2016	ii. प्राकृतिक विश्व विरासत संरक्षण iii. प्राकृतिक व्याख्या और संरक्षण जागरूकता
26.2	**संयुक्त राज्य अमेरिका** ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन पर सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन। वर्ष 2016	i. संधारणीय विकास को बढ़ावा देना ii. स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियां iii. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि पर अंकुश लगाना iv. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के प्रति अनुकूलन बढ़ाना
27.	**संयुक्त अरब अमीरात** जलवायु कार्यकलापों के संबंध में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच समझौता ज्ञापन। वर्ष 2022	i. अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण और अंतराराष्ट्रीय सौर गठबंधन के साथ सहयोग सहित नवीकरणीय ऊर्जा बिजली उत्पादन की त्वरित तैनाती; ii. जलवायु संबंधी कृषि नवाचार मिशन सहित कृषि नवाचार और खाद्य एवं जल सुरक्षा; iii. हार्ड-टू-एबेट क्षेत्रों के विकार्बनीकरण के लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन और उपयोग; iv. भारी उद्योग का विकार्बनीकरण; v. अनुकूलन और प्रतिरोधन; vi. प्रकृति आधारित समाधान; vii. संधारणीय वित्त; viii. कार्बन बाज़ार; ix. जलवायु कार्यकलापों में महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना; x. विज्ञान और अनुसंधान सहयोग; और xi. पक्षकारों द्वारा संयुक्त रूप से तय किए गए

		अनुसार, सहयोग के अन्य क्षेत्र।
28.	**वियतनाम** पर्यावरण और वानिकी में सहयोग के संबंध में भारत और वियतनाम के बीच समझौता ज्ञापन वर्ष 1997	i. पौधों और जानवरों के लिए राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों का संरक्षण और प्रबंधन ii. वनों का प्रबंधन, सुरक्षा एवं विकास iii. पर्यावरण संरक्षण और नदियों, झीलों, जल निकायों का प्रदूषण नियंत्रण एवं अपशिष्ट प्रबंधन iv. पर्यावरणीय लेखापरीक्षा, कानून, विनियमन v. व्यापार और पर्यावरण संबंधी मुद्दे vi. जल संसाधनों का संधारणीय उपयोग vii. पर्यावरणीय जागरूकता और शिक्षा viii. जलवायु परिवर्तन पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन और संबंधित मुद्दों के संबंध में जानकारी साझा करना।